सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-7 • 07 November TO 13 NOVEMBER 2025 • VOLUME 16 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

प्रेरणा

"मुश्किलें वो कसौटी हैं जो सफलता को चमकाती हैं।"

साप्ताहिक मौसम

दिन	अधिकतम	न्यूनतम
शुक्रवार	27°	11°
शनिवार	24 °	12°
रविवार	31°	12°
सोमवार	31°	12°
मंगलवार	32°	12°
बुधवार	30°	11°
वीरवार	30°	11°

*आंकड़े आईएमडी के अनुसार

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184
INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
CONSULTING DESIGN TRAINING
ISO CERTIFIED 2015 COMPANY
CONFUSED ABOUT CAREER!
Unsure of what to do after 10th/12th/Graduation?
Whether to Study in India or Abroad?
What should I do after 10th-Science, Commerce or Arts?
Should I consider Computer or Mechanical Engineering?
What is better for me - MBA in Marketing or MBA in Finance?
Should I pursue Chartered Accountancy or Law after 12th?
Do I have the aptitude for Architecture and Designing?
Get Career Guidance from our Expert Career Counseling Team Free of Cost
E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact :9317776662, 9317776663
REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.
*T&C apply

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सदस्यों ने की राष्ट्रपति से मुलाकात

नई दिल्ली. आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 जीतने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सदस्यों ने गुरुवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। राष्ट्रपति ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की प्रत्येक सदस्य को बधाई दी और कहा कि उन्होंने क्रिकेट विश्व कप जीतकर इतिहास रच दिया है। देश और विदेश के हर कोने में लाखों भारतीय इस जीत का जश्न मना रहे हैं। मुर्मु ने कहा कि यह टीम भारत का प्रतिबिंब है। वे विभिन्न क्षेत्रों, विभिन्न सामाजिक पृष्ठभूमियों और विभिन्न परिस्थितियों का प्रतिनिधित्व करते हैं। लेकिन वे एक टीम हैं - भारत। यह टीम अपने सर्वश्रेष्ठ रूप में भारत को दिखाती है। राष्ट्रपति ने कहा कि टीम ने सात बार की विश्व विजेता और उस समय तक अपराजित रही ऑस्ट्रेलियाई टीम को हराकर अपनी क्षमता में सभी भारतीयों के विश्वास को मज़बूत किया। एक कड़े मुकाबले में एक मज़बूत टीम के ख़िलाफ़ बड़े अंतर से फ़ाइनल मैच जीतना टीम इंडिया की उत्कृष्टता का एक यादगार उदाहरण है।

राष्ट्रपति ने कहा कि वे रोल मॉडल बन गई हैं। युवा पीढ़ी, खासकर लड़कियाँ, जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित होंगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जिन गुणों के बल पर उन्होंने इतिहास रचा है, उन्हीं गुणों के साथ वे भविष्य में भी भारतीय क्रिकेट को शीर्ष पर बनाए रखेंगी। मुर्मु ने कहा कि टीम के सदस्यों ने आशा और निराशा के उतार-चढ़ाव का अनुभव किया होगा। कभी-कभी उन्हें नींद भी नहीं आई होगी। लेकिन उन्होंने सभी चुनौतियों पर काबू पाया है। न्यूज़ीलैंड पर जीत के बाद लोगों को दृढ़ विश्वास हो गया था कि मैच में उतार-चढ़ाव के बावजूद हमारी बेटियाँ ही जीत हासिल करेंगी।

प्रधानमंत्री ने ट्रॉफी जीतने में टीम के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई दी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को नई दिल्ली में आईसीसी महिला विश्व कप 2025 की चैंपियन टीम से बातचीत की। भारतीय टीम ने रविवार, 2 नवंबर, 2025 को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल में जीत हासिल की। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण दिन है, क्योंकि यह देव दीपावली और गुरुपर्व दोनों का प्रतीक है। उन्होंने उपस्थित सभी लोगों को अपनी शुभकामनाएं भी दीं।

प्रधानमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए, टीम के कोच अमोल मजूमदार ने कहा कि उनसे मिलना हमारे लिए सम्मान और सौभाग्य की बात है। उन्होंने खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत को देश की बेटियों द्वारा चलाए जा रहे एक अभियान के रूप में जिक्र किया और पिछले दो वर्षों में उनके असाधारण समर्पण की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि लड़कियों ने हर अभ्यास सत्र में उल्लेखनीय उत्साह और ऊर्जा के साथ खेला और उनकी कड़ी मेहनत रंग लाई है। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 2017 में प्रधानमंत्री से मुलाकात को याद किया जब ट्रॉफी नहीं मिली थी और वर्षों से जिस ट्रॉफी के लिए उन्होंने मेहनत की थी, उसे अब मिलने पर अत्यधिक सम्मान महसूस किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने उनकी खुशी दोगुनी कर दी और यह उनके लिए बहुत गर्व की बात है। उन्होंने यह भी कहा कि उनका लक्ष्य भविष्य में भी उनसे मिलते रहना और उनके साथ टीम की तस्वीरें खिंचवाना है। मोदी ने उनकी उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने वाकई कुछ बड़ा हासिल किया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत में क्रिकेट सिर्फ एक खेल नहीं, बल्कि लोगों के जीवन का एक हिस्सा बन गया है। उन्होंने कहा कि जब क्रिकेट अच्छा चलता है, तो देश उत्साहित महसूस करता है, और थोड़ी सी भी असफलता पूरे देश को झकझोर देती है। उन्होंने बताया कि कैसे लगातार तीन मैच हारने के बाद टीम को ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। हरमनप्रीत कौर ने दोहराते हुए कहा कि 2017 में, फाइनल हारने के बाद वे प्रधानमंत्री से मिली थीं, लेकिन उन्होंने हमें अगला मौका मिलने पर अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया था। उन्होंने ट्रॉफी जीतने और उनसे दोबारा बात करने का अवसर मिलने पर खुशी जताई।

प्रधानमंत्री ने स्मृति मंधाना को अपने विचार साझा करने के लिए आमंत्रित किया। स्मृति मंधाना ने याद करते हुए कहा कि 2017 में टीम कोई ट्रॉफी नहीं जीत पाई थी, लेकिन उन्हें याद है कि उन्होंने प्रधानमंत्री से अपेक्षाओं से निपटने के बारे में एक सवाल पूछा था।

बिहार में बंपर वोटिंग, पहले चरण में 64.66% मतदान

तेजस्वी समेत कई दिग्गजों की किस्मत ईवीएम में हुई कैद

पटना. बिहार विधानसभा के पहले चरण के लिए 18 जिलों के 121 निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान शाम 6 बजे संपन्न हो गया। भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, बिहार में विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए शाम 6:00 बजे तक 64.66 प्रतिशत मतदान हुआ है।

18 जिलों में से बेगूसराय में सबसे अधिक 67.32 प्रतिशत मतदान हुआ, उसके बाद गोपालगंज में 64.96 प्रतिशत और मुजफ्फरपुर में 64.63 प्रतिशत मतदान हुआ। पटना जिले में 55.02 प्रतिशत मतदान हुआ। लखीसराय जिले में 62.76 प्रतिशत मतदान हुआ, उसके बाद मधेपुरा में 65.74 प्रतिशत मतदान हुआ। आज शाम पांच बजे तक भोजपुर जिले में 53.24 प्रतिशत मतदान हुआ। इसके बाद बक्सर में 55.10 प्रतिशत, दरभंगा में 58.38 प्रतिशत, खगड़िया में 60.65 प्रतिशत, मुंगेर में 54.90 प्रतिशत, नालंदा में 57.58 प्रतिशत, सहरसा में 62.65 प्रतिशत, समस्तीपुर में 66.65 प्रतिशत, सारण में 60.90 प्रतिशत, शेखपुरा में 52.36 प्रतिशत, सीवान में 57.41 प्रतिशत और वैशाली में 59.45 प्रतिशत मतदान हुआ। प्रमुख निर्वाचन क्षेत्रों में, राघोपुर में 64.01 प्रतिशत, महुआ में 54.88 प्रतिशत, अलीनगर में 58.05 प्रतिशत, तारापुर में 58.33 प्रतिशत, लखीसराय में 60.51 प्रतिशत, छपरा में 56.32 प्रतिशत, बांकीपुर में लगभग 40 प्रतिशत, फुलवारी में 62.14 प्रतिशत, रघुनाथपुर में 51.18 प्रतिशत, सीवान में 57.38 प्रतिशत और मोकामा में 62.16 प्रतिशत मतदान हुआ। पहले चरण में राजद के तेजस्वी प्रसाद यादव, भाजपा नेता सम्राट चौधरी और मंगल पांडे और जदयू के श्रवण कुमार और विजय कुमार चौधरी सहित कई वरिष्ठ नेताओं के भाग्य का फैसला होगा। तेज प्रताप यादव भी पहले चरण में मैदान में हैं। शेष 122 निर्वाचन क्षेत्रों में 11 नवंबर को दूसरे चरण में मतदान होगा। मतों की गिनती 14 नवंबर को होगी।

दिवंगत बूटा सिंह मामले में राजा वड़िंग द्वारा अपने वकील के माध्यम से उपचुनाव तक पेशी से राहत की मांग

चंडीगढ़ (जालंधर ब्रीज). पंजाब राज्य अनुसूचित जाति आयोग में दिवंगत गृह मंत्री सरदार बूटा सिंह से संबंधित टिप्पणी मामले में तलब किए गए अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग की ओर से एडवोकेट अर्शप्रीत सिंह खडियाल पेश हुए, लेकिन वे आयोग के समक्ष मौके पर वकालतनामा प्रस्तुत नहीं कर सके। अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने अपने वकील के माध्यम से उपचुनाव के मद्देनज़र पेशी से छूट की मांग करते हुए चुनावों के उपरांत की तारीख मांगी है। इसी दौरान, जिला निर्वाचन अधिकारी कम उपायुक्त तरनतारन ने आज पंजाब राज्य अनुसूचित जाति आयोग में पेशी से छूट देने की मांग की है। पंजाब राज्य अनुसूचित जाति आयोग के चेयरमैन सरदार जसवीर सिंह गढ़ी ने बताया कि पत्र के माध्यम से जिला निर्वाचन अधिकारी ने आयोग को अवगत कराया कि उन्होंने पत्र जारी कर अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग से इस संबंध में स्पष्टीकरण मांगा था और अब प्राप्त स्पष्टीकरण की जांच पुलिस द्वारा की जा रही है।

उन्होंने बताया कि जिला निर्वाचन अधिकारी, तरनतारन ने विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव के कारण आयोग द्वारा आज यानी 6 नवंबर को निर्धारित पेशी से छूट की मांग की है। सरदार गढ़ी ने बताया कि जिला निर्वाचन अधिकारी कम उपायुक्त तरनतारन के पत्र को स्वीकार करते हुए आयोग ने उन्हें 17 नवंबर 2025 तक का समय दिया है।

एनएचपीसी लिमिटेड की स्वर्ण जयंती के उपलक्ष्य में स्मारक सिक्का जारी

• **जालंधर ब्रीज.** फरीदाबाद

मनोहर लाल, केंद्रीय विद्युत, आवासन और शहरी कार्य मंत्री ने 6 नवंबर 2025 को नई दिल्ली में एनएचपीसी के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 50 रुपये का एक स्मारक सिक्का जारी किया। इस अवसर पर पंकज अग्रवाल, सचिव (विद्युत), विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार, भूपेंद्र गुप्ता, अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक, एनएचपीसी और उत्तम लाल, निदेशक (कार्मिक), एनएचपीसी भी उपस्थित थे। विद्युत मंत्रालय के अधीन भारत की अग्रणी जलविद्युत नवरत्न कंपनी एनएचपीसी लिमिटेड, 7 नवंबर 2025 को अपनी स्थापना के 50 वर्ष पूरे करने के उपलक्ष्य में एक महत्वपूर्ण मील

का पत्थर चिन्हित कर रही है। इस अवसर पर एनएचपीसी लिमिटेड को बधाई देते हुए केंद्रीय विद्युत, आवास और शहरी कार्य मंत्री ने कहा कि भारत सरकार द्वारा स्मारक सिक्का जारी करना एनएचपीसी की स्थायी विरासत और भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता में इसके रणनीतिक योगदान को मान्यता प्रदान करता है।

सुरेश रैना और शिखर धवन की 11.14 करोड़ की संपत्ति कुर्क

नई दिल्ली. प्रवर्तन निदेशालय ने गुरुवार को वनएक्सबेट मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूर्व भारतीय क्रिकेटरों सुरेश रैना और शिखर धवन की 11.14 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क कर ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अनुसार, मुख्यालय कार्यालय ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत सुरेश रैना और शिखर धवन की चल और अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क किया है। ईडी ने कहा कि कुर्की में रैना के नाम पर 6.64 करोड़ रुपये मूल्य के म्यूचुअल फंड निवेश और धवन के नाम पर 4.5 करोड़ रुपये मूल्य की अचल संपत्ति शामिल है। संघीय एजेंसी की जाँच में पाया गया है कि दोनों पूर्व क्रिकेटरों ने वनएक्सबेट और उसके सहयोगियों के प्रचार के लिए "जानबूझकर" विदेशी संस्थाओं के साथ विज्ञापन समझौते किए। ईडी ने इस जाँच के तहत इन दोनों के अलावा युवराज सिंह और रॉबिन उथप्पा जैसे अन्य पूर्व क्रिकेटरों, अभिनेता सोनू सूद, उर्वशी रौतेला, मिमी चक्रवर्ती (तृणमूल कांग्रेस की पूर्व सांसद) और अंकुश हाज़रा (बंगाली अभिनेता) से भी पूछताछ की है। कुराकाओ में पंजीकृत, वनएक्सबेट को पोर्टल द्वारा सट्टेबाजी उद्योग में 18 वर्षों के अनुभव के साथ एक विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त सट्टेबाज बताया गया

है। ईडी के मुख्यालय ने पीएमएलए के तहत एक जाँच के बाद इन संपत्तियों को कुर्क किया, जो विभिन्न राज्य पुलिस एजेंसियों द्वारा अवैध ऑफशोर सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म वनएक्सबेट के संचालकों के खिलाफ दर्ज की गई कई एफआईआर पर आधारित है। जाँच से पता चला है कि वनएक्सबेट और उसका सरोगेट ब्रांड वनएक्सबेट, वनएक्सबेट स्पोर्टिंग लाइन्स पूरे भारत में अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुए के संचालन को बढ़ावा देने और उसे सुविधाजनक बनाने में लगे हुए थे। जाँच से पता चला है कि सुरेश रैना और शिखर धवन, दोनों ने जानबूझकर वनएक्सबेट को उसके प्रतिनिधियों के ज़रिए बढ़ावा देने के लिए विदेशी संस्थाओं के साथ विज्ञापन समझौते किए। ये विज्ञापन विदेशी संस्थाओं के ज़रिए भुगतान के बदले में किए गए थे ताकि धन के अवैध स्रोत को छुपाया जा सके, जो अवैध सट्टेबाजी गतिविधियों से उत्पन्न आपराधिक आय से जुड़ा है।

संत सीचेवाल के प्रयासों से मलेशिया से दलजीत सिंह की हुई घर वापसी

सात-आठ महीनों से परिवार से टूटा हुआ था संपर्क, जेल के छोटे कमरे में 70-80 कैदियों को ठूंसकर रखा जाता था

• **जालंधर ब्रीज.** सुल्तानपुर लोधी

संत बलबीर सिंह सीचेवाल के प्रयासों से मलेशिया में फंसा पंजाब का एक युवक सुरक्षित अपने परिवार के पास लौट आया है। जालंधर ज़िले के नसीरपुर गांव के रहने वाले दलजीत सिंह ने बताया कि मलेशिया की जेल में कई पंजाबी युवक सालों से बंद हैं, जिनमें से कई तो अपने माता-पिता के संपर्क नंबर तक भूल चुके हैं और घरवालों से संपर्क नहीं कर पा रहे हैं। दलजीत सिंह ने बताया कि वह 2018 में टूरिस्ट वीज़ा पर मलेशिया गया था। कई साल मेहनत करने के बावजूद न तो उसे तनख्वाह मिली और न ही इंसाफ। मालिकों द्वारा धोखाधड़ी किए जाने के बाद उसे पुलिस ने पकड़कर

जेल भेज दिया। जेल में बिताए गए दिनों को दर्दनाक याद के रूप में बताते हुए उसने कहा कि जेल की स्थिति बेहद भयावह थी – "एक छोटे से कमरे में 70 से 80 कैदियों को ठूंसकर रखा जाता था, जहां सांस लेना भी मुश्किल हो जाता था।" उसने बताया कि वहां का खाना बहुत खराब होता था, जिसके कारण भारत लौटने के बाद भी उसे स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। दलजीत ने कहा कि वहां खुली हवा में सांस लेने के लिए तरसना पड़ता था।

दलजीत के परिवार वालों ने बताया कि जब उसे गिरफ्तार किया गया था, तब उन्हें कहा गया था कि पांच महीनों में वह वापस आ जाएगा। लेकिन सात-आठ महीने बीत गए, कोई खबर नहीं आई। आखिरकार, उन्होंने राज्यसभा सदस्य संत बलबीर सिंह सीचेवाल से संपर्क किया, जिनकी मदद से दलजीत 31 अक्टूबर को सुरक्षित भारत लौट आया। परिवार ने कहा कि अगर संत सीचेवाल ने उसकी पैरवी न की होती, तो उसका हाल भी बाकी फंसे युवकों जैसा होता। दलजीत ने विदेश जाने वाले युवाओं से अपील की कि टूरिस्ट वीज़ा पर नौकरी की उम्मीद लेकर जाना बहुत बड़ा खतरा है। उसने कहा कि विदेशों में सबसे ज़्यादा शोषण उन्हीं लोगों का होता है जो टूरिस्ट वीज़ा पर काम करते हैं, क्योंकि वहां उनकी मदद करने वाला कोई नहीं होता। राज्यसभा सदस्य संत बलबीर सिंह सीचेवाल ने इस मामले में सहयोग देने के लिए विदेश मंत्रालय और भारतीय दूतावास का धन्यवाद किया।

बुड्ढा दरिया पुनरुद्धार कार्यों के सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे : संजीव अरोड़ा

लुधियाना (जालंधर ब्रीज). बुड्ढा दरिया के पुनरुद्धार के लिए गठित उच्च-स्तरीय समिति ने पर्यावरण के दृष्टिकोण से इस जल स्रोत को बहाल करने की दिशा में बड़े पैमाने पर हो रही प्रगति की रिपोर्ट प्रस्तुत की है। हाल ही में की गई समीक्षा के अनुसार, जुलाई-अगस्त 2025 की बैठकों के दौरान लिए गए लगभग 90% निर्णय लागू किए जा चुके हैं।

इस उच्च-स्तरीय समिति का गठन पंजाब सरकार द्वारा 14 जुलाई 2025 के अधिसूचना के माध्यम से किया गया था। इसकी अध्यक्षता पंजाब के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री संजीव अरोड़ा ने की, जबकि पंजाब

के मुख्य सचिव इसके उपाध्यक्ष हैं। इसमें स्थानीय निकाय, जल संसाधन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, पीपीसीबी, पेडा, लोक निर्माण विभाग (बी एंड आर), पीडीसी, आईआईटी रोपड़ के वरिष्ठ अधिकारी तथा लुधियाना के उपायुक्त और नगर निगम आयुक्त सदस्य हैं।

जुलाई से अक्तूबर 2025 तक की प्रमुख उपलब्धियों में 650 करोड़ का बुनियादी ढांचा नवीनीकरण प्रोजेक्ट शामिल है। गऊघाट इंटरमीडिएट पंपिंग स्टेशन अब पूरी तरह से क्रियाशील है। संवेदनशील स्थानों पर ढलान और निकासी से जुड़े मुद्दे निरंतर निगरानी द्वारा हल किए गए हैं। एनआईएच रुड़की के अध्ययन से यह स्पष्ट हुआ है कि वर्तमान एसटीपी में कोई भी क्षमता की कमी नहीं है।

गौ-गोबर और डेयरी अपशिष्ट प्रबंधन के बारे में बताते हुए कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा ने कहा कि जीरो-डिस्चार्ज नीति को 100% लागू किया गया है।

निलंबित डीआईजी भुल्लर का पांच दिन का रिमांड बढ़ा

चंडीगढ़. रिश्वतकांड में गिरफ्तार निलंबित डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर का पांच दिन का रिमांड

और बढ़ा दिया गया है, जबकि बिचौलिये कृष्णु शारदा को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इस दौरान रोज भुल्लर से वकील एक घंटा मिल सकेंगे। पांच दिन का रिमांड खत्म होने पर सीबीआई ने वीरवार को भुल्लर को अदालत में पेश किया। सीबीआई ने भुल्लर का पांच दिन का और रिमांड मांगा। सीबीआई ने कहा कि आय से अधिक मामले में पूछताछ की जानी है। भुल्लर के खाते में दो महीने में 32 लाख रुपये आए हैं।

तैयार हो जाइए अब दिल्ली में भी आ रही विदेशी चीज, इन 2 जगह पर खुलेगी हॉट एयर बलून राइड, सस्ती रहेगी टिकट

Travelling दिल्ली में अब कॉमनवेल्थ गेम्स विलेज और यमुना स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में हॉट-एयर बलून राइड्स शुरू होने वाली हैं। इन राइड्स के टिकट किफायती होंगे यानी ज्यादा महंगे नहीं होंगे। इस लेख के जरिए जानिए भारत में पहले से और...

• **जालंधर ब्रीज .** फीचर

आपने कई बार फोटोस में या वीडियोस में देखा होगा, कि लोग एक बलून में बैठते हैं और उड़ते हुए एक हाइट तक जाते हैं फिर कुछ देर ऊपर रहने के बाद उन्हें नीचे लाया जाता है। ऐसा माहौल और नजारा आपने तुर्की में या विदेशों में काफी देखा होगा। जिसमें बैठकर कपल एक दूसरे को प्रोपोज करता है। तो कोई फैमिली के साथ क्वालिटी टाइम स्पेंड करने के लिए यहां आते हैं। लेकिन आप लोगों के लिए अब एक और खुशखबरी है, जिसके लिए विदेश जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। आराम से अपने शहर में भी रहकर राइड का मजा ले सकेंगे।

चुने जाएंगे दो कॉम्प्लेक्स

ईटी की रिपोर्ट के मुताबिक, डीडीए (दिल्ली विकास प्राधिकरण) ने पायलट प्रोजेक्ट के लिए दो स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स चुने हैं। डीडीए ने एक टेंडर जारी किया है, जिसमें प्राइवेट कंपनियों को हॉट-एयर बलून (गुब्बारे) सेवा चलाने के लिए आमंत्रित किया गया है। टेंडर के अनुसार, "इन जगहों को रेवेन्यू शेयरिंग के आधार पर हॉट-एयर बलून सेवा चलाने के लिए दिया जाएगा।

हर दिन चार घंटे उड़ेंगे बलून

योजना के मुताबिक, कंपनियों को इन बलून राइड पर विज्ञापन लगाने की अनुमति दी जाएगी। हर ऑपरेटर को तीन साल के लिए लाइसेंस मिलेगा, जिसे जरूरत पड़ने पर नौ साल तक बढ़ाया जा सकता है। प्रस्ताव में ये भी कहा गया है कि कंपनियों को हर दिन अधिकतम चार घंटे तक बलून उड़ाने की इजाजत होगी। हालांकि, किसी खास मौके पर समय को अस्थाई रूप से बढ़ाया भी जा सकता है। हालांकि बैलून राइड का किराया ऑपरेटर तय करेगा, लेकिन डीडीए (DDA) ने निर्देश दिया है कि टिकट की कीमत आम लोगों के लिए सस्ती रखी जाए।

दिल्ली से पहले इन राज्यों में पहले से है ये राइड

राजस्थान : राजस्थान की शाही और देहाती खूबसूरती को देखने का इससे बेहतर तरीका और क्या हो सकता है, कि आप आसमान में गर्म हवा वाले गुब्बारे (हॉट एयर बलून) की सवारी करें! भारत में हॉट एयर बलून राइड के लिए राजस्थान एक बेहतरीन जगह है, क्योंकि यहां की रंग-बिरंगी संस्कृति और अनोखी खूबसूरती किसी को भी मंत्रमुग्ध कर देती है।

आप जयपुर, पुष्कर, उदयपुर इन तीन जगहों पर ये सवारी कर सकते हैं। गुलाबी शहर की ऊंचाई से उड़ते हुए आप शानदार महलों, ऐतिहासिक किलों और खूबसूरत झीलों का नजारा देख सकते हैं। साथ ही, अरावली की पहाड़ियों को भी पास से देख सकते हैं।

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र में लोनावला मुंबई और आसपास के लोगों के लिए एक बेहतरीन वीकेंड डेस्टिनेशन है। यहां से कुछ किलोमीटर दूर कामशेत नाम की जगह पर हॉट एयर बलून राइड का मजा लिया जा सकता है, जो मुंबई से करीब 100 किलोमीटर दूर है। लोनावला और इसके आसपास का इलाका हरियाली, जंगलों, गुफाओं, झीलों और बांधों से घिरा हुआ है। यहां की हॉट एयर बलून राइड करीब 60 मिनट तक चलती है और इसमें आपको लगभग 4000 फीट की ऊंचाई तक ले जाया जाता है।

उत्तर प्रदेश : उत्तर प्रदेश में ताज महल के पास होने वाली हॉट एयर बलून राइड एक बहुत ही खास और बढ़िया एक्सपीरियंस देती है। ये राइड किसी ड्रीम से कम नहीं होती, इसमें बैठकर आप ताज महल और आस-पास की खूबसूरत मुगल इमारतों का शानदार नजारा देख सकते हैं। ये बलून राइड थोड़ी अलग होती है, ये ज्यादा ऊपर तक नहीं जाती, लगभग 500 मीटर तक ही ऊपर जाती है। इससे आप नीचे की ऐतिहासिक इमारतों को पास से देख सकते हैं।

LIFESTYLE

टीनएज में बच्चे को बुरी संगति से बचाना चाहते हैं? अपनाएं ये आसान तरीके, वो खुद ही छोड़ देगा बैड कंपनी

अगर आपको लगता है कि आपका बच्चा गलत संगत में है, तो आपको एक बार पेरेंटिंग कोच की बात जरूर सुननी चाहिए। क्योंकि हाल ही में उन्होंने ऐसे लक्षण बताए हैं, जिनको आप अपने बच्चों को बताकर उन्हें बुरी संगत के बारे में पहचान करा सकते हैं।

• **जालंधर ब्रीज .** फीचर

टीनएज एक ऐसी उम्र होती है, जब बच्चे अपने दोस्तों को लेकर बहुत ज़्यादा प्रोटेक्टिव हो जाते हैं। उन्हें अपने दोस्तों के बारे में कुछ भी गलत बात सुनना पसंद नहीं आता। वहीं, अगर पैरेंट्स को लगता है कि उनका बच्चा किसी ऐसे दोस्त की संगत में है, जिसकी आदतें ठीक नहीं हैं, तो बच्चा अकसर मानने से इनकार कर देता है। ऐसे में माता-पिता के लिए यह सबसे बड़ा चैलेंज बन जाता है कि बच्चे को गलत संगत से कैसे दूर रखें, बिना उसे खुद से दूर किए।

क्योंकि अगर एक बार बच्चा बुरी संगति में फँस गया, तो न सिर्फ उसकी पढ़ाई-लिखाई पर असर पड़ता है, बल्कि उसका पूरा व्यक्तित्व और सोचने का तरीका भी बदल सकता है। इसी वजह से आज हम पैरेंटिंग कोच के बताए हुए ऐसे संकेत साझा कर रहे हैं, जिनके ज़रिए आप अपने बच्चे को समझा सकते हैं कि अच्छे और बुरे दोस्त में फर्क कैसे पहचानें और गलत संगत से खुद को कैसे बचाएँ। संभव है कि इन लक्षणों को जानने के बाद बच्चा खुद ही ऐसे दोस्तों से दूरी बना ले। चलिए जानते हैं विस्तार से।

वो तुमसे झूठ बोलेंगे

ऐसे दोस्त केवल तुमसे ही नहीं, अपने टीचर्स और दूसरे बच्चों से भी बात-बात पर झूठ बोलते हैं। साथ ही, वे तुम पर गलत चीज़ें करने का दबाव डालेंगे, जैसे कहेंगे - "अगर तुम मेरे दोस्त हो, तो यह काम ज़रूर करना।" इसलिए सही और गलत में फर्क समझते हुए, ऐसे दोस्तों से दूर रहो।

अच्छे काम करने से तुम्हें रोकेंगे

ध्यान रहे कि ऐसे फ्रेंड्स न सिर्फ तुम्हें सही काम करने से रोकते हैं, बल्कि कई बार पैरेंट्स और टीचर्स की बात मानने से भी मना करते हैं। इसलिए यह बात न भूलो कि सच्चा दोस्त कभी भी अच्छे और सही काम करने से नहीं रोकता, बल्कि हमेशा तुम्हें सही राह पर चलने के लिए प्रेरित करता है।

वे तुम्हें दूसरों के सामने नीचा दिखाएँगे

याद रखो, सच्चे और अच्छे दोस्त हमेशा तुम्हारी इज़्ज़त करते हैं। वे कभी भी तुम्हारा मज़ाक नहीं बनाते। अगर कोई ऐसा कर रहा है, तो समझ लो कि वह तुम्हारा सच्चा दोस्त नहीं है, बल्कि तुम गलत संगति में फँस चुके हो।

वे धमकी देते हैं और बदले की बातें करते हैं

अगर कोई दोस्त तुम्हें धमका कर कहता है - "अगर तुम मेरा यह काम नहीं करोगे तो मैं तुम्हें ग्रुप से निकाल दूँगा" या "तुमने यह नहीं कहा तो मैं तुम्हारी शिकायत कर दूँगा" - तो समझ लो कि दोस्तों की यह कंपनी ठीक नहीं है।

तुम्हारे मुँह पर मीठा और पीठ पीछे बुराई

वे सामने मीठा बोलते हैं, लेकिन पीठ पीछे बुरा कहते हैं।

ऐसे दोस्त कभी भी तुम्हारे सच्चे नहीं हो सकते। इन पर भरोसा करना खुद को चोट पहुँचाने जैसा है। इसलिए ऐसे फ्रेंड्स से दूरी बनाना ही सबसे सही फैसला है।

डिस्क्लेमर : इस लेख में दी गई सूचना पूरी तरह सोशल मीडिया रील पर आधारित है। जालंधर ब्रीज इसकी सत्यता और सटीकता की जिम्मेदारी नहीं लेता है।

सर्दियों में मेथी का मजा केवल सब्जी से ना ले, बनाएं ये 3 मजेदार सी डिशेज

मेथी का न सिर्फ स्वाद, बल्कि फ्लेवर भी अपने-आप में अनठा होता है। बाजार में मेथी साग नजर आने लगा हैं, तो क्यों न इनसे तरह-तरह की रेसिपीज बनाई जाएं!

• **जालंधर ब्रीज.** रेसिपी

सर्दियों की दस्तक के साथ हरी सब्जियों की भरमार मार्केट में दिखने लगती है। ताजे हरी पालक और मेथी को देखकर तो बस मन ही ललचा जाता है। स्वाद के साथ ही इन सब्जियों को खाने के भी ढेर सारे फायदे हैं। लेकिन बच्चों और बड़ों को वहीं मेथी की सब्जी खिलाने की बजाय ये मजेदार डिशेज ट्राई करें। बच्चों को न्यूट्रशन और टेस्ट दोनों साथ मिलेगा।

मेथी मटर पुलाव
कितने लोगों के लिए : 04
कुकिंग टाइम 30 मिनट
सामग्री : 'बासमती चावल: 1 कप 'मटर: 1/2 कप 'मेथी पत्ता : 1/4 कप 'कटी हुई धनिया पत्ती: 2 चम्मच 'कटा प्याज: 1 'कटी हरी मिर्च: 2 'तेजपत्ता: 1 'लौंग: 2 'इलायची: 2 'जीरा: 1/2 चम्मच 'चीनी: 1/2 चम्मच 'नमक: स्वादानुसार 'धनिया पाउडर : 1 चम्मच' घी : 2 चम्मच 'पानी : आवश्यकतानुसार

विधि : कड़ाही में घी गर्म करें और उसमें तेजपत्ता, लौंग, इलायची और जीरा डालें। जब जीरा पक जाए तो कड़ाही में प्याज और हरी मिर्च डालें। प्याज के सुनहरा होने तक पकाएं। मेथी, धनिया पाउडर और मटर डालकर कुछ मिनट पकाएं। चावल को अच्छी तरह से धो लें और उसे अब कड़ाही में डालें। पानी और नमक डालें और ढककर चावल को पकाएं। गर्मागर्म सर्व करें।

मेथी पकौड़ा
कितने लोगों के लिए : 04
कुकिंग टाइम 25 मिनट
सामग्री : 'बेसन: 1 1/2 कप 'चावल का आटा: 2 चम्मच 'कटे प्याज: 1 कप 'बारीक कटी मेथी: 1 कप 'हल्दी: 1/2 चम्मच 'लाल मिर्च पाउडर: 1 चम्मच 'नमक: स्वादानुसार 'सौंफ: 2 चम्मच 'चीनी: चुटकी भर 'बेकिंग सोडा: 1/2 चम्मच' पानी : आवश्यकतानुसार' तेल : आवश्यकतानुसा

मेथी पकौड़ा
कितने लोगों के लिए : 04
कुकिंग टाइम 25 मिनट
सामग्री : 'बेसन: 1 1/2 कप 'चावल का आटा: 2 चम्मच 'कटे प्याज: 1 कप 'बारीक कटी मेथी: 1 कप 'हल्दी: 1/2 चम्मच 'लाल मिर्च पाउडर: 1 चम्मच 'नमक: स्वादानुसार 'सौंफ: 2 चम्मच 'चीनी: चुटकी भर 'बेकिंग सोडा: 1/2 चम्मच 'पानी: आवश्यकतानुसार' तेल : आवश्यकतानुसा

मम्मा-पापा, प्लीज बस एक बार हमारी बात तो सुन लो न...हर बार गलती हमारी नहीं होती है'

जालंधर ब्रीज (फीचर) . टीनएज एक ऐसी उम्र होती है, जब बच्चों और पैरेंट्स के बीच अक्सर मनमुटाव हो जाते हैं। कभी बच्चों को लगता है कि मम्मी-पापा उनकी बात नहीं समझते, तो कभी पैरेंट्स को डर होता है कि बच्चा कहीं गलत रास्ते पर न चला जाए। यही वजह है कि इस उम्र में तकरार और दूरियां दोनों आम हो जाती हैं।

इस दौर में कई बार बच्चे अपनी फीलिंग्स भी छिपा लेते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है – "पैरेंट्स समझेंगे तो हैं नहीं, फिर बताने का क्या फायदा?" लेकिन उनके दिलो-दिमाग में बहुत सी बातें चलती रहती हैं, जैसे – "मम्मा-पापा, एक बार हमारी बात तो सुन लो... हर बार गलती हमारी नहीं होती। हमें समझने की कोशिश तो करो..."

ऐसी ही कई बातें हैं, जो टीनएजर्स अपने दिल में दबा लेते हैं और पैरेंट्स से खुलकर कह नहीं पाते। हर टीनएजर अपने मम्मी-पापा से कुछ कहना चाहता है –

हमारी बात तो सुनिए : पेरेंटिंग कोच कहती हैं कि इस उम्र के बच्चे अपने पैरेंट्स से कहना चाहते हैं – "हर बात पर हमें जज न करें। मम्मा-पापा, आप पहले हमें सुन तो लीजिए... आपका आधा गुस्सा तो ऐसे ही शांत हो जाएगा।"

हर वक्त सुधारने की कोशिश मत कीजिए : एक्सपर्ट बताती हैं कि टीनएज बच्चों के मन में अक्सर यह बात चलती रहती है – "मम्मी-पापा, हर समय हमें सुधारने या समझाने की कोशिश मत कीजिए। कभी-कभी हमें आपकी सलाह नहीं, बस आपका साथ और थोड़ा-सा समय चाहिए होता है – लेक्चर नहीं।"

हमारे दोस्तों पर शक मत कीजिए : कोच यह भी कहती हैं कि टीनएज बच्चे मन ही मन यह कहना चाहते हैं – "प्लीज मम्मी-पापा, हमारी पसंद, दोस्तों या कपड़ों को लेकर इतनी चिंता मत कीजिए। हम बस इतना चाहते हैं कि आप हम पर भरोसा करें, क्योंकि आपने हमें अच्छे संस्कार और सही मूल्य दिए हैं। बस उसी भरोसे को बनाए रखिए।"

डिस्क्लेमर : इस लेख में दी गई सूचना पूरी तरह सोशल मीडिया रील पर आधारित है। जालंधर ब्रीज इसकी सत्यता और सटीकता की जिम्मेदारी नहीं लेता है।

बस गिनकर 3 अखरोट खाने से दिमाग होगा बूस्ट, हार्ट के बीमार होने के चांस होंगे खत्म, जानें जबरदस्त लाभ

Health क्या आप जानते हैं आप डेली तीन अखरोट का सेवन करके अपनी ओवरऑल हेल्थ को बूस्ट कर सकते हैं। यह ब्रेन फंक्शन से लेकर गट के स्वास्थ्य को सुधारता है। साथ ही साथ कई बीमारियों ...

• **जालंधर ब्रीज.** हेल्थ केयर

अच्छी सेहत हर कोई पाना चाहता है लेकिन अपने गलत खानपान की आदतों को नहीं सुधारना चाहता, जबकि अच्छा स्वास्थ्य पाने के लिए अच्छी डाइट का होना बेहद जरूरी है। आप डेली क्या खाते पीते हैं और कितना खाते पीते हैं इसका सीधा असर आपके शरीर पर पड़ता है।

अखरोट भी उन्हीं नट्स में से एक है, जो आपको अनगिनत स्वास्थ्य लाभ दे सकता है। यह ब्रेन फंक्शन से लेकर हार्ट हेल्थ को सपोर्ट करता है और आपको अच्छी स्किन पाने में भी मदद करता है। ऐसे में आप इन फायदों को पाने के लिए अपनी डाइट में अखरोट को जगह दे सकते हैं।

अखरोट खाने के 3 फायदे : अखरोट में ऐसे कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं, जो इसे एक शक्तिशाली नट बनाते हैं। जानी मानी न्यूट्रिशनिस्ट दीपशिखा जैन ने हाल ही में अखरोट के कुछ फायदों को नेटिजन्स के साथ शेयर किया है। उन्होंने बताया कि डेली अखरोट खाने से यह आपके हार्ट हेल्थ और गट हेल्थ को स्वस्थ बनाता है। साथ ही इससे ब्रेन फंक्शन को सुधारने में भी मदद मिलती है।

हार्ट हेल्थ को सुधारता है : अखरोट का सेवन हृदय के स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर यह मेवा आपके Pit Profile को बेहतर बनाने और हार्ट डिजीज के खतरे को कम करने में मदद करता है। यह आपके बढ़े हुए एलडीएल, कोलेस्ट्रॉल, और ब्लड प्रेशर को कम सकता है, जिससे हार्ट मजबूत बनता है और उसकी फंक्शन में सुधार होता है।

गट हेल्थ होता है बेहतर : अखरोट इंफ्लेमेशन को भी दूर कर सकता है। इसमें Electanins नामक एक कम्पाउंड होता है, जो अत्यधिक एंटी-इंफ्लेमेटरी होता है और सूजन को कम करने में मदद कर सकता है। इसके अलावा अखरोट में भरपूर मात्रा में फाइबर भी होते हैं, जो आपके गट हेल्थ को सुधारने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। फाइबर के सेवन से पेट संबंधी समस्याओं से भी राहत मिलती है।

ब्रेन के स्वास्थ्य को करता है बूस्ट : अगर आप अपने ब्रेन फंक्शन को बूस्ट करना चाहते हैं तो आपको डेली अखरोट का सेवन करना शुरू कर देना चाहिए। क्योंकि अखरोट खाने से वास्तव में आपके मस्तिष्क की कार्यक्षमता बढ़ सकती है क्योंकि वे ओमेगा -3 और पॉलीफेनोल्स का एक बड़ा सोर्स हैं जो आपके कॉग्निटिव फंक्शन, प्रोडक्टिविटी, मेमोरी में सुधार कर सकते हैं और यहां तक कि न्यूरो जेनेरेटिव रोगों की संभावना को भी कम कर सकते हैं।

डिस्क्लेमर : यह लेख मात्र सामान्य जानकारी के लिए है। किसी भी प्रयोग से पहले विशेषज्ञ की राय अवश्य लें।

भारत के श्रमिकों के सशक्तिकरण की दिशा में श्रम संहिताओं के कार्यान्वयन की आवश्यकता

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

भारत का कार्य जगत एक बदलाव के मुहाने पर खड़ा है। देश की श्रमशक्ति को लिखित अनुबंधों, पर्याप्त मजदूरी और व्यापक सामाजिक सुरक्षा द्वारा समर्थित औपचारिक रोजगार में तेजी से जगह मिलनी चाहिए ताकि विकास के लाभ सभी के लिए सुरक्षित एवं गरिमापूर्ण आजीविका में बदल सकें। पुराने विनियामक ढांचों के बने रहने के चलते, आंशिक रूप से, औपचारिकीकरण की गति और उद्यमों की सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण नौकरियां सृजित करने की क्षमता सीमित हो गई है। वर्ष 2019 और 2020 के बीच संसद द्वारा मजदूरी, औद्योगिक संबंध, सामाजिक सुरक्षा और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कामकाज की स्थितियों के संबंध में पारित चार श्रम संहिताएं 2002 में रवींद्र वर्मा की अध्यक्षता वाली द्वितीय राष्ट्रीय श्रम आयोग द्वारा परिकल्पित लंबे समय से लंबित सुधारों का प्रतिनिधित्व करती हैं। इस श्रम आयोग का मिशन तत्कालीन मौजूदा श्रम ढांचे को संहिताबद्ध, सरल और संशोधित करना था। ये नई संहिताएं देश के श्रम परिदृश्य को आधुनिक बनाने और संरचनात्मक असंतुलनों को दूर करने हेतु एक व्यापक ढांचा प्रदान करती हैं। सभी राज्यों में इनका एकसमान कार्यान्वयन अब एक बेहद जरूरी राष्ट्रीय प्राथमिकता बन गई है।

ये नई संहिताएं 29 केन्द्रीय श्रम कानूनों को सरल और आधुनिक बनाती हैं। इन कानूनों में से कई बीसवीं सदी के मध्य के हैं। इन संहिताओं का उद्देश्य न केवल कानूनों का विलय करना है, बल्कि श्रमिकों/कर्मचारियों की विभिन्न परिभाषाओं को एक सरल परिभाषा में बदलना भी है। प्रत्येक संहिता श्रमिकों के अधिकारों और कल्याण को सुदृढ़ करती है और साथ ही नियोक्ताओं के लिए स्पष्टता और पूर्वानुमेयता प्रदान करती है।

उचित मजदूरी और श्रम की गरिमा : वेतन संहिता, 2019 प्रत्येक श्रमिक को श्रम की गरिमा का सम्मान करने

एस.पी. तिवारी
(राष्ट्रीय महासचिव, ट्रेड यूनियन कोआर्डिनेशन सेंटर (टीयूसीसी)

वाला वेतन सुनिश्चित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। सार्वभौमिक न्यूनतम वेतन और एक राष्ट्रीय न्यूनतम वेतन लागू करके, यह संहिता इस बात की गारंटी देती है कि कोई भी श्रमिक, चाहे वह किसी भी पेशे या स्थान से जुड़ा हो, एक बुनियादी मानक आय से वंचित नहीं रहेगा। उद्योग की अनुसूची को समाप्त करने से सार्वभौमिक वेतन का मार्ग प्रशस्त होता है।

समय पर भुगतान के प्रावधानों को मजबूत किया गया है। इससे देरी की वह समस्या दूर हुई है, जो पहले परिवारों को कर्ज में धकेल देती थी। अब कर्मचारी अप्रदत्त वेतन या बोनस का दावा आसानी से कर सकते हैं और ऐसे विवादों में सबूत पेश करने का भार नियोक्ता पर होता है, जिससे जवाबदेही बढ़ती है। साथ ही, यह संहिता उद्यमों के लिए अनुपालनों को सुव्यवस्थित करती है। इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड-कीपिंग, एकल पंजीकरण एवं एकीकृत रिटर्न कागजी कार्रवाई को कम करते हैं और हेरफेर की आशंकाओं को घटाते हैं।

सामाजिक सुरक्षा के दायरे का विस्तार : सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 आजाद भारत में कल्याण के सबसे समावेशी विस्तारों में से एक है। कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम और मातृत्व लाभ अधिनियम सहित नौ प्रमुख कानूनों को एकीकृत करके, यह संहिता एक ऐसी एकीकृत प्रणाली स्थापित करती है जो पारंपरिक और भविष्य के कार्य, दोनों को कवर करती है। यह पहली बार है जब गिग श्रमिकों, प्लेटफॉर्म श्रमिकों और असंगठित क्षेत्र के लोगों को स्पष्ट रूप से राष्ट्रीय श्रमशक्ति का हिस्सा माना गया है। प्रत्येक श्रमिक को ई-श्रम पोर्टल के जरिए पंजीकृत किया जाएगा और एक विशिष्ट सामाजिक सुरक्षा संख्या प्रदान की जाएगी, जिससे स्वास्थ्य बीमा, पेंशन और मातृत्व सहायता जैसे लाभों का सीधा वितरण संभव हो सकेगा। यह सुनिश्चित करने के लिए केन्द्रीय व राज्य सामाजिक सुरक्षा कोष बनाए जायेंगे कि ऐप-आधारित डिलीवरी पार्टनर या निर्माण कार्यों में संलग्न मजदूर जैसे श्रमिक भी अब सुरक्षा के दायरे से बाहर न रहें और निधियों का समग्र प्रबंधन संभव हो।

इस संहिता में करियर केन्द्र, डिजिटल एवं भौतिक प्लेटफॉर्म भी शामिल हैं जो व्यावसायिक मार्गदर्शन, परामर्श और रोजगार सेवाएं प्रदान करेंगे। यह संस्थागत समर्थन कल्याण को बहु-रोजगार क्षमता से जोड़ेगा, जिससे श्रमिकों को असुरक्षा की स्थिति से निकलकर अवसर की दिशा में बढ़ने में मदद मिल सकेगी।

कार्यस्थल पर सुरक्षा, गरिमा और समानता : व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य परिस्थितियां संहिता, 2020 (ओएसएच संहिता), राष्ट्र निर्माण करने वालों की देखभाल और उनके प्रति जिम्मेदारी का एक संदेश है। "प्रतिष्ठान" की परिभाषा को व्यापक बनाकर, यह संहिता उन लाखों लोगों को सुरक्षा प्रदान करती है जो पहले सुरक्षा कानूनों के दायरे में नहीं आते थे। यह श्रमिकों के निःशुल्क वार्षिक स्वास्थ्य जांच को अनिवार्य करती है और नियोक्ताओं से कर्मचारियों पर कोई वित्तीय बोझ डाले बिना सुरक्षित एवं स्वच्छ कार्यस्थल बनाए रखने की अपेक्षा करती है। राष्ट्रीय व्यावसायिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य सलाहकार बोर्ड का गठन बदलती औद्योगिक परिस्थितियों के अनुरूप सुरक्षा मानकों का विकास सुनिश्चित करता है।

ओएसएच संहिता लैंगिक समानता की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति सुनिश्चित करती है। महिला श्रमिकों को सभी प्रतिष्ठानों और रात्रि पाली में काम करने की अनुमति है, बशर्ते पर्याप्त सुविधाएं और सुरक्षा व्यवस्थाएं उपलब्ध हों। इससे अधिक संख्या में महिलाओं को श्रम बल में शामिल होने व बने रहने का अधिकार मिलता है। प्रवासी श्रमिकों को भी एक राष्ट्रीय पंजीकरण प्रणाली के जरिए मान्यता हासिल होती है। इससे कल्याणकारी योजनाओं और आवागमन संबंधी लाभों तक उनकी पहुंच सुनिश्चित होती है और बेहतर जीवन एवं आजीविका सुनिश्चित करने हेतु कानूनी ढांचे की निगरानी संभव होती है।

अक्टूबर माह 2025 में टिकट चेकिंग द्वारा जम्मू मंडल में लगभग 67 लाख रुपये का राजस्व अर्जित किया

जालंधर ब्रीज : उत्तर रेलवे के जम्मू मंडल में मंडल रेल प्रबंधक विवेक कुमार व वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक उचित सिंघल के नेतृत्व में मंडल के टिकट चेकिंग स्टाफ द्वारा सभी वास्तविक रेल उपयोगकर्ताओं को आरामदायक यात्रा और बेहतर सेवाएं प्रदान करने के लिए टिकट रहित और अनियमित यात्रा पर अंकुश लगाने के लिए ट्रेनों व स्टेशनों पर निरंतर टिकट चेकिंग अभियान चलाए गए।

इसी अभियान के तहत मंडल के चेकिंग स्टाफ व मुख्य टिकट निरीक्षकों द्वारा अक्टूबर माह 2025 में टिकट चेकिंग के दौरान कुल 11386 मामलों में बिना टिकट व अनियमित यात्रा करते हुए यात्रियों को पकड़ा गया, जिसमें लगभग 67 लाख रुपये की राशि टिकट चेकिंग के दौरान जुर्माने के तौर पर वसूल की गई। मंडल में रेलवे अधिकारियों द्वारा ट्रेनों में यात्रियों के अनधिकृत प्रवेश को रोकने के लिए लगातार सरप्राइज टिकट चेकिंग अभियान भी चलाएं जाते हैं। जिसमें यात्रियों को वैद्य टिकट लेकर ट्रेन में सफर करने की सलाह दी जाती है।

इसी टिकट चेकिंग अभियान के क्रम में जुडे तो अक्टूबर माह में त्योहारों के दौरान वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक उचित सिंघल के मार्गदर्शन में विशेष टिकट चेकिंग अभियान भी चलाया गया था। जिसमें दिनांक 26 अक्टूबर 2025 तक कुल दस दिन में कुल 2500 बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों को प्रभारित कर

लगभग 32 लाख रुपये जुर्माना वसूल किया गया। जो कि साल 2025 में जम्मू मंडल बनने के बाद पहले त्योहारों के दौरान यात्री राजस्व आय में महत्वपूर्ण वृद्धि को दर्शाता हैं।

मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उचित सिंघल ने बताया कि टिकट चेकिंग अभियान यह सुनिश्चित करता हैं। कि यात्री अपनी यात्रा के दौरान अपनी यात्रा को आरामदायक व सुरक्षित महसूस करें सकें तथा रेलवे के वित्तीय स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करता हैं। जिससे यात्री सुविधाओं के विकास में सहायता मिलती हैं। उन्होंने आगे कहा, कि टिकट चेकिंग स्टाफ द्वारा अक्टूबर माह में टिकट चेकिंग के दौरान उत्कृष्ट कार्य किया हैं।

प्रौद्योगिकी से समृद्ध भारत आज किसी का अनुयायी नहीं, बल्कि दूसरों को अनुसरण के लिए कर रहा प्रेरित

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

भारत आज वैश्विक वैज्ञानिक पुनर्जागरण के द्वार पर खड़ा है। तकनीक से समृद्ध भारत आज केवल अनुयायी नहीं है, बल्कि दूसरों को भी उसका अनुसरण करने के लिए प्रेरित कर रहा है। पिछले एक दशक में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, देश ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति देखी है। डिजिटल सशक्तिकरण से लेकर अंतरिक्ष अन्वेषण तक, आत्मनिर्भर और तकनीक-प्रधान भारत की रूपरेखा अब स्पष्ट दिख रही है। डिजिटल इंडिया और स्टार्टअप इंडिया की सफलताओं से लेकर स्वच्छ भारत और वन हेल्थ जैसे अभियानों तक, देश ने यह साबित किया है कि विज्ञान, तकनीक और नवाचार के माध्यम से बड़े पैमाने पर परिवर्तन लाया जा सकता है।

यूपीआई क्रांति ने डिजिटल भुगतान की परिभाषा ही बदल दी है और भारत को इस क्षेत्र में वैश्विक अग्रणी बना दिया है। भारत की जैव-अर्थव्यवस्था ने पिछले दस वर्षों में जबरदस्त प्रगति की है। 2014 में जहां इसका मूल्य 10 अरब डॉलर था, वहीं 2024 में यह बढ़कर लगभग 165.7 अरब डॉलर हो गया है। भारत अब बायोफ्यूल, बायोप्लास्टिक और ग्रीन केमिकल्स जैसे क्षेत्रों में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। चंद्रयान और गगनयान मिशनों ने भारत की पहचान अंतरिक्ष शक्ति संपन्न देशों में मजबूत की है, जबकि 5G नेटवर्क की शुरुआत और डिजिटल कूटनीति ने देश के दूर-दराज़ इलाकों तक कनेक्टिविटी और सशक्तिकरण पहुँचाया है।

भारत अब "सबके लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में वैश्विक नेता के रूप में उभर रहा है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि बुद्धिमत्ता और नवाचार का लाभ हर क्षेत्र तक पहुंचे। चाहे वह कृषि हो, स्वास्थ्य सेवा हो या शासन व्यवस्थाादेश में 100 से अधिक यूनिकॉर्न कंपनियां और युवाओं द्वारा संचालित स्टार्टअप्स का मजबूत नेटवर्क भारत की वैज्ञानिक और उद्यमशीलता की भावना को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा रहा है। ग्रीन हाइड्रोजन, क्वांटम विज्ञान और तकनीक, सेमीकंडक्टर निर्माण और सटीक कृषि जैसे क्षेत्रों में भारत की प्रगति यह दिखाती है कि भारत अब केवल दुनिया के साथ कदम नहीं मिला रहा, बल्कि भविष्य की दिशा तय करने में मदद कर रहा है। यह आत्मनिर्भर भारत की कहानी है। एक ऐसा आत्मविश्वासी और दूरदर्शी भारत, जो विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की ओर, अपनी स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने तक, दृढ़ता से आगे बढ़ रहा है।

ईएसटीआईसी : उपलब्धि से आकांक्षा तक – इस प्रगति की पृष्ठभूमि में 3 से 5 नवंबर 2025 तक भारत मंडपम, नई दिल्ली में होने वाला इमर्जिंग साइंस, टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन कॉन्क्लेव एक साहसिक नया कदम है। भारत सरकार के 13 मंत्रालयों की ओर से आयोजित यह सम्मेलन सिर्फ उपलब्धियों का प्रदर्शन नहीं है, बल्कि यह सहयोग, दूरदृष्टि और राष्ट्रीय रणनीति का मंच है। माननीय प्रधानमंत्री के हाथों उद्घाटन किए जाने वाला ईएसटीआईसी 2025 देश-विदेश के प्रमुख वैज्ञानिकों, नवाचारकर्ताओं, नीति-निर्माताओं और विशेषज्ञों को एक साथ लाएगा ताकि वे नई उभरती तकनीकों के भविष्य पर विचार-विमर्श कर सकें। यह सम्मेलन एक ऐसे मंच के रूप में कार्य करेगा जहां कमियों की पहचान, साझेदारियां स्थापित करना और विज्ञान व प्रौद्योगिकी को भारत की विकास प्राथमिकताओं के अनुरूप दिशा देना- इन सभी पर संयुक्त रूप से काम किया जाएगा।

डॉ. जितेंद्र सिंह
(केंद्रीय मंत्री, भारत सरकार)

यह सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय एकजुटता मंच है, जो शैक्षणिक संस्थानों, उद्योग जगत और सरकार को एक साझा उद्देश्य से जोड़ता है: भारत को विकसित भारत 2047 की दिशा में आगे बढ़ाना। यानी स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने तक एक पूर्ण विकसित और नवाचार-प्रधान राष्ट्र बनाना।

ईएसटीआईसी को विज्ञान और प्रौद्योगिकी में आत्मनिर्भर भारत के लिए महत्वपूर्ण 11 विषयों पर केंद्रित किया गया है। यह सम्मेलन एक ऐसा केंद्रीय मंच बनेगा जहां रणनीतिक संवाद, सहयोग और भारत की श्रेष्ठ उपलब्धियों को प्रस्तुत किया जाएगा। वर्तमान उपलब्धियों का जश्न मनाने के साथ-साथ, यह सम्मेलन नए विचारों पर मंथन, कमियों की पहचान, और नीति-निर्माण में सुधार का अवसर भी प्रदान करेगा, ताकि भारत की वैज्ञानिक प्रगति समाज की जरूरतों और वैश्विक अवसरों के साथ तालमेल में बनी रहे। मूल रूप से, ईएसटीआईसी का उद्देश्य पूरे विज्ञान तकनीक पारिस्थितिकी तंत्र को जोड़ना है- उन मंत्रालयों को जो नीतियाँ बनाते हैं, उन वैज्ञानिकों को जो नवाचार करते हैं,उन उद्योगों को जो विचारों को विस्तार देते हैं, और उन स्टार्टअप्स को जो बदलाव लाते हैं।

यह सम्मेलन अब तक की यात्रा का सम्मान करता है और आगे के उस मार्ग को भी दर्शाता है जो भारत को सतत, समावेशी और परिवर्तनकारी विकास की ओर ले जाता है।

राष्ट्रीय जलमार्गों से सशक्त होता लॉजिस्टिक्स तंत्र

• **जालंधर ब्रीज** . *नई दिल्ली*

भविष्य के एक ऐसे भारत की कल्पना करें जहां मालढुलाई ट्रकों के बजाय नावों से हो, लॉजिस्टिक्स गलियारे राजमार्गों की जगह नदियों के किनारे बने हों और व्यापार बढ़ने के बाद भी कार्बन उत्सर्जन कम हो। ऐसा भविष्य कोरी कल्पना नहीं है बल्कि हमारी पहुंच के दायरे में है। देश को विकसित भारत और सही मायने में आत्मनिर्भर बनने के लिए अंतर्देशीय जल परिवहन (आईडब्ल्यूटी) को टिकाऊ लॉजिस्टिक्स क्रांति की रीढ़ बनना होगा।

भारत 4,000 वर्षों से नदियों के माध्यम से व्यापार करता आ रहा है। नदियों ने लोथल को रोम से, बंगाल को बर्मा से और असम को शेष दक्षिण-पूर्व एशिया से जोड़ा है। हालांकि समय के साथ सड़कों और रेलवे ने अपनी रफ्तार और स्टील की चमक से नदियों को पीछे धकेल दिया। लेकिन अब जलवायु परिवर्तन के चलते आर्थिक दबाव के इस दौर में हालात बदल रहे हैं। ऐसा नदियों के प्रति प्रेम की वजह से नहीं, बल्कि जरूरत के कारण हो रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अंतर्देशीय जलमार्ग पर अभूतपूर्व नीतिगत ध्यान दिया जा रहा है। राष्ट्रीय जलमार्गों पर 2013-14 में कार्गो की आवाजाही 18.1 मिलियन मेट्रिक टन थी जो 2024-25 में बढ़कर 145.84 मिलियन मेट्रिक टन हो गई है। जलमार्गों से माल-ढुलाई का खर्च भी कम आता है। जलमार्ग से माल-ढुलाई का खर्च 1.20 रुपये प्रति टन-किलोमीटर है जबकि रेल से 1.40 रुपये और सड़क से 2.28 रुपये प्रति टन-किलोमीटर का खर्च आता है। जलमार्ग किफायती और ईंधन-कुशल होते हैं। जलमार्ग से परिवहन पर प्रति टन-किलोमीटर केवल 0.0048 लीटर ईंधन की खपत होती है जबकि सड़क से 0.0313 लीटर और रेल मार्ग से 0.0089 लीटर खर्च होता है। यह किसी भी सप्लाई चेन मैनेजमेंट के लिए आंखें खोलने वाली बात है।

सबसे महत्वपूर्ण यह है कि नदी परिवहन से प्रति टन-किलोमीटर ग्रीनहाउस गैस का उत्सर्जन सड़क परिवहन की तुलना में महज 20 प्रतिशत होता है। गंगा या ब्रह्मपुत्र में चलने वाला हर जहाज न केवल सामान ढो रहे हैं, बल्कि भारत के कार्बन उत्सर्जन को कम करने की सजगता को भी स्पष्ट रूप से परिलक्षित कर रहा है।

भारत सरकार ने 2016 में राष्ट्रीय जलमार्ग-1 पर जलमार्ग विकास परियोजना को मंजूरी दी थी, जिससे गंगा-भागीरथी-हुगली नदी प्रणाली में कार्गो की आवाजाही बढ़ रही है। वाराणसी और साहिबगंज जैसे मल्टीमोडल लॉजिस्टिक्स हब राष्ट्रीय राजमार्ग लॉजिस्टिक्स प्रबंधन लिमिटेड (एनएचएलएमएल) के साथ साझेदारी में विकसित किए जा रहे हैं तथा इंडियन पोर्ट रेल एंड रोपवे कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईपीआरसीएल) और डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (डीएफसीसीआईएल) के जरिये रेल लिंक बनाए जा रहे हैं ताकि नदी, रेल और सड़क को सुगमता से जोड़ा जा सके। राष्ट्रीय जलमार्ग-2 (ब्रह्मपुत्र नदी) पर जोगीघोपा आईडब्ल्यूटी टर्मिनल को मल्टी-मोडल लॉजिस्टिक्स पार्क (एमएमएलपी) से जोड़ा जा रहा है, जो भारत-बांग्लादेश प्रोटोकॉल मार्ग के जरिये कोलकाता और हल्दिया बंदरगाह को जोड़ता है।

विजय कुमार
(सचिव , पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय)

अंतर्देशीय जल परिवहन की क्षमता अब साफ़ दिखने लगी है। असम में नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड (एनआरएल) की विस्तार परियोजना का हाल ही में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने उद्घाटन किया था। रिफाइनरी के लिए ओवर डाइमेंशनल कार्गो (ओडीसी) और ओवर वेट कार्गो (ओडब्ल्यूसी) जैसे भारी उपकरण आईडब्ल्यूएआई की देखरेख में भारत-बांग्लादेश प्रोटोकॉल मार्ग और ब्रह्मपुत्र नदी के जरिये ट्रांसपोर्ट किए गए थे। इसमें 24 कंसाइनमेंट शामिल थे जो एनआरएल जेट्टी तक आसानी से और सुरक्षित रूप से पहुंचाए गए। इससे भीड़भाड़ वाले राजमार्गों और बड़े कार्गो के लिए सड़क परिवहन की मुश्किलों से भी बचा गया। इस ऑपरेशन से पता चला कि नदी लॉजिस्टिक्स न केवल पर्यावरण के लिए अच्छा है, बल्कि यह भारत के सबसे मुश्किल औद्योगिक शिपमेंट को संभालने में भी पूरी तरह से सक्षम है। सही मायने में यह लागत-प्रभावी, सुरक्षा और सतत परिवहन का बेजोड़ मेल है।

उद्योग के लिए यह अतीत की यादों में खोने या राष्ट्रीय गर्व की ही बात नहीं है बल्कि यह मार्जिन और मार्केट के बारे में है। जलमार्ग से सामान भेजना सस्ता, ज़्यादा स्वच्छ और तेज होता जा रहा है क्योंकि मल्टीमोडल हब ऑनलाइन आ रहे हैं। आज की दुनिया में वैश्विक निवेशक सप्लाई चेन को केवल दक्षता के लिहाज से ही नहीं बल्कि उनके पर्यावरणीय प्रभाव को भी देखते हैं, ऐसे में नदी परिवहन को अपनाना रणनीतिक रूप से फायदेमंद है। कार्बन उत्सर्जन घटाने पर भी जोर है, जिससे अंतर्देशीय जलमार्ग आधुनिक लॉजिस्टिक्स के लिए बेहतर और ज़्यादा टिकाऊ विकल्प बन गए हैं। जलमार्गों के जरिये माल भेजने से कम लागत, बेहतर पर्यावरण, सामाजिक और गवर्नेंस (ईएसजी) क्रेडेंशियल्स का दोहरा फायदा मिलता है।

क्यूएस एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग्स 2026 में एनआईटी जालंधर की शानदार उपलब्धि

जालंधर ब्रीज . (जालंधर) : डॉ. बी. आर. अम्बेडकर नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एनआईटी), जालंधर ने क्यूएस एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग्स 2026 में 666वां स्थान प्राप्त कर एक बार फिर अपने अकादमिक प्रदर्शन और वैश्विक पहचान में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। इस वर्ष एनआईटी जालंधर ने एशिया के 56.4% संस्थानों को पीछे छोड़ा, जो पिछले दो वर्षों की तुलना में इसकी लगातार उन्नति और

सशक्त अकादमिक दिशा को दर्शाता है। क्यूएस रिपोर्ट के अनुसार, एनआईटी जालंधर को एक मध्यम आकार, सार्वजनिक और व्यापक शिक्षण संस्थान के रूप में वर्गीकृत किया गया है, जिसकी अनुसंधान तीव्रता अत्यधिक बताई गई है। शिक्षा की गुणवत्ता, नवाचार और शोध प्रभाव में संस्थान के प्रदर्शन ने इसकी वैश्विक छवि को और सशक्त किया है। इस उपलब्धि के साथ, भारतीय संस्थानों में, एनआईटी जालंधर 291 भागीदारी करने वाले संस्थानों में शीर्ष 100 विश्वविद्यालयों में शामिल हुआ है और सभी राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (एनआईटीज़) में सातवें स्थान पर रहा है। पिछले वर्षों की रैंकिंग में संस्थान की निरंतर प्रगति स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। वर्ष 2024 में एनआईटी जालंधर ने 18.4% संस्थानों से बेहतर प्रदर्शन किया, जो 2025 में बढ़कर 31.2% और 2026 में 56.4% तक पहुंच गया। यह वृद्धि संस्थान की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नवाचार, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और प्रभावशाली शोध के प्रति गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। संस्थान के निदेशक प्रो. बिनोद कुमार कनौजिया ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा,"यह उपलब्धि हमारे संकाय सदस्यों, शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों की मेहनत और समर्पण का परिणाम है। हम शिक्षा की गुणवत्ता और शोध में उत्कृष्टता को और ऊँचे स्तर पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह रैंकिंग हमें नए मानक तय करने की प्रेरणा देती है।" रजिस्ट्रार प्रो. अजय बंसल ने भी संस्थान को बधाई देते हुए कहा,"एनआईटी जालंधर की यह निरंतर प्रगति हमारे टीमवर्क, दृष्टिकोण और सामूहिक प्रयासों का प्रतीक है।

पेंशनभोगियों के जीवन में सुगमता और डिजिटल समावेशन को बढ़ावा देने के लिए 01 से 30 नवंबर 2025 तक राष्ट्रव्यापी डीएलसी अभियान 4.0

जालंधर ब्रीज (अमृतसर) : पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग, कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय 01 से 30 नवंबर तक राष्ट्रव्यापी डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र (डीएलसी) अभियान 4.0 आयोजित कर रहा है। सरकार के पेंशनभोगियों के डिजिटल सशक्तिकरण के दृष्टिकोण के तहत यह अभियान एक महत्वपूर्ण पहल है, जो डिजिटल इंडिया और ईज ऑफ लिविंग मिशन के साथ जुड़ा हुआ है। राष्ट्र-व्यापी डीएलसी अभियान 4.0 के तहत, श्री नागेंद्र कुमार, अवर सचिव, पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग, भारत सरकार, भारतीय स्टेट बैंक और इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (आईपीपीबी), डाक विभाग द्वारा आयोजित डीएलसी शिविरों में भाग लेने के लिए 6 नवंबर को अजनाला और पंजाब एंड सिंध बैंक और इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (आईपीपीबी), डाक विभाग द्वारा आयोजित शिविरों में 7 नवंबर को अमृतसर शहर का दौरा करेंगे। वह व्यवस्थाओं का निरीक्षण करेंगे और फेस ऑथेंटिकेशन और डोरस्टेप सेवाओं के माध्यम से डीएलसी सुविधा का लाभ उठाने वाले पेंशनभोगियों से बातचीत करेंगे । इस यात्रा के दौरान, अधिकारी शिविरों के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए बैंकों, इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (डीओपी), यूआईडीएआई, एनआईसी और स्थानीय पेंशनभोगी कल्याण संघों के बीच समन्वय की समीक्षा करेंगे ।

डीएलसी अभियान 4.0 का उद्देश्य संतृप्ति-आधारित आउटरीच दृष्टिकोण के साथ 2,000 से अधिक शहरों और कस्बों में दो करोड़ पेंशनभोगियों तक पहुंचना है। इस अभियान में आधार-आधारित फेस ऑथेंटिकेशन तकनीक के उपयोग पर बल दिया जाएगा, जिससे पेंशनभोगियों को बायोमेट्रिक उपकरणों पर निर्भर नहीं होना पड़ेगा और वे स्मार्ट फोन द्वारा घर बैठे आसानी से अपना जीवन प्रमाण पत्र जमा कर सकेंगे। इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक की डोरस्टेप डीएलसी सेवा के माध्यम से अति-वरिष्ठ और दिव्यांग पेंशनभोगियों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने को अपने 'मन की बात' कार्यक्रम(24 नवंबर, 2024),संविधान दिवस संबोधन(26 नवंबर, 2024) में भी इस बात पर बल दिया कि डिजिटल भारत की नई पहलों जैसे डिजिटल प्रमाणपत्र द्वारा देशभर के वरिष्ठ नागरिकों की पेंशन प्रक्रिया को आसान बनाया जा रहा है।

एनसीसी डायरेक्टरेट की कमांड में बदलाव : मेजर जनरल जगदीप सिंह चीमा ने मेजर जनरल भारत मेहतानी को चार्ज सौंपा

जालंधर ब्रीज . एनसीसी पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़ के एडिशनल डायरेक्टर जनरल, मेजर जनरल जगदीप सिंह चीमा ने 37 साल की प्रतिष्ठित सेवाकाल के बाद अपनी रिटायरमेंट पर आज मेजर जनरल भारत मेहतानी को चार्ज सौंप दिया।

अपने कार्यकाल के दौरान, मेजर जनरल चीमा ने ऑफिस में एक सकारात्मक और अच्छा माहौल बनाया, जिससे उनकी टीम को शानदार उपलब्धियां हासिल करने की प्रेरणा मिली। ड्यूटी के प्रति उनके उल्लेखनीय समर्पण और प्रतिबद्धता को याद करते हुए एनसीसी डायरेक्टरेट के स्टाफ ने उनकी लीडरशिप के लिए उन्हें धन्यवाद दिया।

मेजर जनरल चीमा, नेशनल डिफेंस एकेडमी, खड़कवासला के स्टूडेंट रहे हैं। अपने शानदार मिलिट्री करियर में बांग्लादेश में भारतीय हाई कमीशन में डिफेंस अटैची के तौर पर काम किया और यूएन मिशन में सेवा की है। वह 1 अगस्त, 2024 से रेजिमेंट ऑफ़ आर्टिलरी (ग्रुप-IV) के कर्नल कमांडेंट भी हैं।

एनसीसी डायरेक्टरेट के नए एडिशनल डायरेक्टर जनरल, मेजर जनरल भारत

मेहतानी अपनी नई भूमिका में बहुत अनुभव लेकर आए हैं, उन्होंने वेस्टर्न सेक्टर में एक इन्फेंट्री ब्रिगेड और डिवीज़न की कमान संभाली है और अलग-अलग पदों पर काम किया है। उनकी शानदार सेवा के लिए उन्हें वेस्टर्न कमांड के जीओसी-इन-चीफ कमेंडेशन कार्ड से सम्मानित भी किया गया है।

एक रसमी समारोह के दौरान दोनों अधिकारियों ने गर्मजोशी से एक दूसरे का अभिवादन करते हुए, औपचारिक तौर कमांड के चार्ज का आदान प्रदान किया।

आयकर विभाग ने "स्वच्छता ही सेवा" और जागरूकता सप्ताह मनाया

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से महत्वपूर्ण विषयों को प्रभावशाली रूप से प्रस्तुत किया

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंचकुला और चंडीगढ़ के आयकर विभागों ने संयुक्त रूप से "स्वच्छता ही सेवा" और "जागरूकता - हमारी साझा जिम्मेदारी" विषय पर एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया। यह कार्यक्रम नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल टीचर्स ट्रेनिंग एंड रिसर्च (एनआईटीटीटीआर), सेक्टर 26, चंडीगढ़ के ऑडिटोरियम में संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती विदिशा कालरा, आईआरएस, मुख्य आयकर आयुक्त, पंचकुला और शिमला उपस्थित थीं, जबकि सम्माननीय अतिथि के रूप में वत्सला झा, आईआरएस, निदेशक जनरल आयकर (जांच), उत्तर-पश्चिम क्षेत्र, चंडीगढ़ उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का आयोजन कोमल जोगपाल, आईआरएस, मुख्य आयकर आयुक्त (ओएसडी), पंचकुला एवं रिव्यू यूनिट, चंडीगढ़ के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जागरूकता, नशा मुक्ति अभियान और पर्यावरण संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों को प्रभावशाली रूप से प्रस्तुत किया गया। इस आयोजन का समन्वय डॉ. प्रभजोत गूर्नोन बाज्जू, संस्थापक और निदेशक, मीशन फाउंडेशन, पंचकुला ने किया। मंथन आर्ट्स एंड थिएटर सोसाइटी के कलाकारों ने हीरा सिंह के नेतृत्व में भ्रष्टाचार और प्रदूषण नियंत्रण पर दो आकर्षक नाटक प्रस्तुत किए, जिन्हें दर्शकों ने जोरदार तालियों से सराहा। इसके अतिरिक्त, गवर्नमेंट मॉडल संस्कृती सीनियर सेकेंडरी स्कूल, नानकपुर, पंचकुला के छात्रों ने नशा मुक्ति पर प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर आयकर विभाग, हरियाणा की 'पल्लव' पत्रिका के 15वें संस्करण का विमोचन भी किया गया। विशेष रूप से, पंचकुला और चंडीगढ़ के विभागीय भवनों के सफाई कर्मचारी को मंच पर सम्मानित किया गया और सामूहिक फोटो खींची गई। कार्यक्रम में जागरूकता सप्ताह प्रतियोगिताओं और हिंदी प्रतियोगिता के विजेताओं को प्रमाणपत्रों से सम्मानित किया गया। विदिशा कालरा, आईआरएस ने अपने संबोधन में कहा: "जागरूकता, ईमानदारी और पारदर्शिता अच्छे प्रशासन की आधारशिला हैं। ये मूल्य हमारे कार्य संस्कृति का अभिन्न हिस्सा होने चाहिए। स्वच्छता, जागरूकता और हमारी राष्ट्रीय भाषा हिंदी के प्रभावी उपयोग से न केवल विभागीय दक्षता बढ़ सकती है, बल्कि राष्ट्रनिर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है।" इस कार्यक्रम में पंचकुला और चंडीगढ़ के आयकर विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने सक्रिय भागीदारी दिखाई और प्रस्तुतियों की भरपूर सराहना की।

साहित्य, संस्कृति और सृजन का केन्द्र- लेखक गांव : पद्मश्री डॉ संजय

देहरादून के जॉलीग्रांट एयरपोर्ट के समीप हिमालय की शांत गोद में स्थित लेखक गाँव — देश का पहला ऐसा गाँव है जो पूरी तरह लेखकों को समर्पित है

• **जालंधर ब्रीज.** देहरादून

उत्तराखंड सदियों से अपने पवित्र चार धामों के लिए प्रसिद्ध रहा है, जहाँ हर वर्ष लाखों श्रद्धालु आस्था से प्रेरित होकर पहुँचते हैं। आज यह प्रदेश अपनी पहचान का विस्तार करते हुए केवल आध्यात्मिक भूमि ही नहीं, बल्कि साहित्य, संस्कृति और सृजन का सजीव केंद्र बनता जा रहा है।

देहरादून के जॉलीग्रांट एयरपोर्ट के समीप हिमालय की शांत गोद में स्थित लेखक गाँव – देश का पहला ऐसा गाँव है जो पूरी तरह लेखकों को समर्पित है। डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक' की दूरदर्शी सोच और उनके परिवार के सहयोग से साकार यह स्वप्न आज कला, बुद्धि और प्रकृति के त्रिवेणी संगम का प्रतीक बन चुका है।

लेखक गाँव का शुभारंभ 24 अक्टूबर 2024 को भारत के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के कर-कमलों से हुआ, जिसमें उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी तथा पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय मंत्री डॉ. निशंक की गरिमामयी उपस्थिति रही। केवल एक वर्ष में इस पहल ने राष्ट्रीय साहित्यिक परिदृश्य में अपनी विशिष्ट पहचान बना ली है।

3 से 5 अक्टूबर 2025 तक यहाँ आयोजित अंतरराष्ट्रीय साहित्य महोत्सव ने लेखक गाँव को वैश्विक प्रतिष्ठा दिलाई। इस महोत्सव का उद्घाटन केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने किया तथा समापन मुख्यमंत्री धामी द्वारा हुआ। देश-विदेश के प्रतिष्ठित लेखक, कवि और कलाकारों ने इसमें भाग लेकर इसे संवाद और सृजन का जीवंत मंच बना दिया।

अपनी स्थापत्य सुंदरता के साथ लेखक गाँव एक गहन विचार का प्रतीक है—जहाँ शब्द, प्रकृति और संवेदना एकाकार होते हैं। यह पर्यावरण संरक्षण, लोकसंस्कृति के संवर्धन और युवा रचनाकारों के प्रोत्साहन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

मैं स्वयं लेखक गाँव की परिकल्पना से जुड़ा रहा हूँ और इसके विकास की यात्रा का साक्षी हूँ। डॉ. निशंक के नेतृत्व और उनके परिवार के समर्पण से लेखक गाँव आज भारत की साहित्यिक चेतना का दीपस्तंभ बन चुका है—जो आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत रहेगा।

अस्थायी विधानसभा का निर्माण 20 तक पूरा होगा : स्पीकर संधवां

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़/श्री आनंदपुर साहिब

नौवें पातशाह, "हिंद की चादर" गुरु तेग बहादुर जी की 350वीं पावन शहादत को समर्पित अस्थायी पंजाब विधानसभा का निर्माण 20 नवंबर तक पूरा कर लिया जाएगा। यह जानकारी पंजाब विधानसभा के स्पीकर कुलतार सिंह संधवा ने विरासत-ए-खालसा में मंत्रियों के समूह (ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स) और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की अध्यक्षता करते हुए दी। स्पीकर ने बताया कि गुरु तेग़ बहादुर जी के शहादत दिवस को समर्पित यह विशेष विधानसभा सत्र पंजाब सरकार की पहल है, जिसका उद्देश्य गुरु साहिबानों के दर्शन और संदेश को पूरी दुनिया तक पहुँचाना है।

उन्होंने बताया कि भाई जैता जी द्वारा दिल्ली में गुरु साहिब की शहादत के बाद उनका शीश कीरतपुर साहिब के गुरुद्वारा बीबानगढ़ साहिब लाया गया था, जिसके बाद भाई जैता जी, माता गुजरी जी और बाल गोबिंद राय जी के साथ उसे श्री आनंदपुर साहिब लाकर अंतिम संस्कार किया गया था, वहीं आज गुरुद्वारा सीस गंज साहिब स्थित है।

विलक्षण होगा 8 नवंबर को लाजवंती स्टेडियम में होने वाला लाइट एंड साउंड शो

• **जालंधर ब्रीज.** होशियारपुर

डिप्टी कमिश्नर आशिका जैन ने बताया कि पंजाब सरकार की ओर से 8 नवंबर को लाजवंती बहुउद्देशीय स्टेडियम, होशियारपुर में श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस को समर्पित एक अद्वितीय लाइट एंड साउंड शो आयोजित किया जा रहा है। इस शो में गुरु साहिब के जीवन, शिक्षाओं और महान बलिदान को आकर्षक एवं भावनात्मक ढंग से प्रस्तुत किया जाएगा।

डिप्टी कमिश्नर आशिका जैन आज लाजवंती मल्टीपर्पज स्टेडियम में शो की तैयारियों संबंधी बैठक की अध्यक्षता कर रही थी। उन्होंने बताया कि लगभग 45 मिनट का यह डिजिटल शो गुरु तेग बहादुर जी के जीवन, विरासत और उनके शांति, सहनशीलता व विश्व बंधुत्व के संदेश को खूबसूरती से उजागर करेगा। उन्होंने कहा कि यह आयोजन गुरु साहिब की मानवता और करुणा के संदेश को सच्ची श्रद्धांजलि होगा। उन्होंने बताया कि शो के लिए प्रवेश 8 नवंबर को शाम 5 बजे से शुरू होगा तथा प्रवेश सभी के लिए निःशुल्क रहेगा। कोई भी व्यक्ति बिना पास के इस भव्य कार्यक्रम में शामिल हो सकता है। उन्होंने जिले के सभी नागरिकों से अपील की कि वे अपने परिवारों सहित इस प्रेरणादायक आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में भाग लें। डिप्टी कमिश्नर ने आयोजन की तैयारियों का जायजा लेते हुए सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, सफाई, पार्किंग व्यवस्था, बैरिकेडिंग, निर्बाध बिजली आपूर्ति, चिकित्सा टीमों की तैनाती, फायर सेफ्टी, प्रचार व्यवस्था, नियंत्रण कक्ष और पेयजल सुविधा आदि संबंधी विभागीय जिम्मेदारियां निर्धारित की। उन्होंने पुलिस और नागरिक प्रशासन को निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए व्यापक प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं।

इस अवसर पर अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (विकास) निकास कुमार, एस.डी.एम. होशियारपुर गुरसिमरनजीत कौर, आर.टी.ओ. अमनदीप कौर घुम्मण, एस.पी. मेजर सिंह, सिविल सर्जन डॉ. बलवीर कुमार, जिला खेल अधिकारी गुरप्रीत सिंह, एक्सीयन गुरमीत सिंह, नायब तहसीलदार हृदयवीर सिंह, उप जिला शिक्षा अधिकारी अमनदीप शर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

जालंधर प्रीमियर लीग : लाडोवाली सरकारी स्कूल ने 192 रनों से जीत हासिल की

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

'युद्ध नशे के विरुद्ध' अभियान के तहत वासल एजुकेशन द्वारा जालंधर प्रशासन के सहयोग से आई.वी. वर्ल्ड स्कूल में आयोजित की जा रही जालंधर प्रीमियर लीग (जे.पी.एल.) का आज का मैच सरकारी मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, लाडोवाली और गुरू नानक फाउंडेशन ग्लोबल स्कूल, जालंधर के बीच खेला गया। इस मुकाबले में सरकारी मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, लाडोवाली ने विरोधी टीम को 225 रनों का लक्ष्य दिया और 192 रनों से जीत हासिल की। कृष्णा शर्मा ने अपनी 106 रनों की पारी से टीम को मजबूती प्रदान की और मैन ऑफ द मैच चुने गए। इस मौके पर राज्य सभा सदस्य और भारत के पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह खिलाड़ियों को आशीर्वाद देने के लिए विशेष तौर पहुंचे।

इस मौके पर डिप्टी कमिश्नर डा. हिमांशु अग्रवाल ने खिलाड़ियों को खेल भावना से खेलने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि खेल जीवन में न केवल अनुशासन लाते है,बल्कि टीम वर्क की भावना भी पैदा करते है। इस मौके पर वासल एजुकेशन के चेयरमैन संजीव कुमार वासल और सी.ई.ओ. राघव वासल ने इस बात पर जोर दिया कि खेल हमें अनुशासित और जिम्मेदार नागरिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। इस मौके पर स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा बैंड और भांगड़े की प्रस्तुति भी दी गई।

नशा मुक्त समाज के लिए युवाओं को जागरूक करना समय की आवश्यकता : एसडीएम गुरसिमरनजीत कौर

विलेज डिफेंस कमेटियों की ट्रेनिंग डीएवी स्कूल होशियारपुर में आयोजित

• **जालंधर ब्रीज.** होशियारपुर

नशे के विरुद्ध छेड़े गए राज्यव्यापी अभियान के तहत आज डीएवी सीनियर सेकेंडरी स्कूल होशियारपुर में विलेज डिफेंस कमेटियों की विशेष ट्रेनिंग का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एसडीएम होशियारपुर गुरसिमरनजीत कौर ने विशेष तौर पर शिरकत की। एसडीएम ने कहा कि नशा एक ऐसी सामाजिक बुराई है जो न केवल व्यक्ति बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करती है। उन्होंने कहा कि युवाओं को नशे से बचाना हर नागरिक की जिम्मेदारी है और इसके लिए प्रशासन, पुलिस, सामाजिक संस्थाओं तथा आम लोगों को मिलकर काम करना होगा।

एसडीएम गुरसिमरनजीत कौर ने आगे कहा कि पंजाब सरकार की ओर से चलाया जा रहा 'युद्ध नशे के विरुद्ध' अभियान तभी सफल होगा जब समाज के सभी वर्ग इसमें अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने विलेज डिफेंस कमेटियों के सदस्यों को जागरूकता फैलाने, नशे से संबंधित गतिविधियों पर नजर रखने और पुलिस प्रशासन को जानकारी देने की अपील की। उन्होंने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य केवल नशे की रोकथाम ही नहीं, बल्कि युवाओं को सकारात्मक दिशा में प्रेरित करना भी है ताकि वे खेल, शिक्षा और रोजगार की राह पर आगे बढ़ सकें।

इस अवसर पर डीएसपी देव दत्त शर्मा ने कहा कि पुलिस प्रशासन द्वारा नशे के सौदागरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी है। उन्होंने जनता से अपील की कि वे किसी भी नशा तस्करी संबंधी जानकारी तुरंत पुलिस को दें ताकि दोषियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई हो सके। नशा मुक्ति मोर्चा के जिला कोऑर्डिनेटर सतवंत सिंह सियाण ने भी उपस्थित सदस्यों को प्रेरित करते हुए कहा कि समाज तभी स्वस्थ और समृद्ध बन सकता है जब युवा वर्ग नशे से मुक्त होकर शिक्षा, खेल और रोजगार की दिशा में आगे बढ़े। इस दौरान विधानसभा कॉर्डिनेटर कंचन देओल ने भी संबोधित किया। इस मौके पर नशा मुक्ति मोर्चा के अन्य सदस्य भी मौजूद थे।

नोटिफिकेशन रद्द कर पंजाब यूनिवर्सिटी की सीनेट चुनाव तुरंत करवाए जाएं: बलबीर सिद्धू

• **जालंधर ब्रीज.** एसएएस नगर

पंजाब के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बलबीर सिंह सिद्धू ने मोदी सरकार द्वारा पंजाब यूनिवर्सिटी में से पंजाब की प्रतिनिधित्व समाप्त करने वाले नोटिफिकेशन पर लगाई गई अस्थायी रोक को महज़ एक "आंखों में धूल झोंकने वाली कार्रवाई" करार दिया है। उन्होंने कहा कि यदि केंद्र सरकार सचमुच अपनी गलती सुधारना चाहती है, तो उसे पिछले साल होने वाले सीनेट और सिंडिकेट चुनावों की प्रक्रिया तुरंत शुरू करनी चाहिए।

सिद्धू ने एक प्रेस बयान में कहा कि केंद्र सरकार की मंशा पंजाब यूनिवर्सिटी के प्रबंधन से पंजाब की भागीदारी खत्म करने की तभी स्पष्ट हो गई थी, जब उसने पिछले साल जनवरी में सीनेट चुनावों की प्रक्रिया शुरू ही नहीं की। उन्होंने बताया कि हर चार साल में सीनेट और सिंडिकेट के चुनाव जनवरी में शुरू किए जाते हैं क्योंकि इस प्रक्रिया को पूरा होने में लगभग आठ महीने लगते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि यूनिवर्सिटी से जुड़े कॉलेजों, शिक्षकों और छात्र प्रतिनिधियों द्वारा बार-बार मांग पत्र देने के बावजूद इन चुनावों को न करवाकर केंद्र सरकार ने यूनिवर्सिटी प्रशासन में लोकतांत्रिक प्रक्रिया का गला घोंट दिया है। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) देश की सभी शैक्षणिक संस्थाओं में 'भगवा परचम' लहराना चाहती है, और इसी उद्देश्य से उसने नई शिक्षा नीति लागू की थी।

केंद्र का लक्ष्य देश के हर व्यक्ति तक सहज व सुरक्षित संचार सुविधाएं उपलब्ध कराना : डॉ. नीरज मित्तल

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़/शिमला

दूरसंचार सचिव और डिजिटल संचार आयोग के अध्यक्ष डॉ नीरज मित्तल ने कहा कि साइबर अपराध, आर्थिक धोखाधड़ी और दूरसंचार साधनों का दुरुपयोग अब वैश्विक समस्या बनते जा रहे हैं और उनसे निपटने के लिए सभी को मिलजुल कर काम करने की जरूरत है। डॉ मित्तल आज हिमाचल प्रदेश के क्यारीघाट,सोलन में दूरसंचार विभाग के हिमाचल प्रदेश लाइसेंस प्राप्त सेवा क्षेत्र (एल एस ए) द्वारा सशक्त संचार, अभिनव सुरक्षा विषय पर आयोजित सुरक्षा संबंधी मामलों के वार्षिक उत्तरी क्षेत्र सम्मेलन को वीडियो कांफ्रेंस के जरिए संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि तेजी से बढ़ते डिजिटल दौर में सुरक्षित संचार सेवाओं के महत्व को समझते हुए दूरसंचार विभाग ने इस वैश्विक समस्या से निपटने के लिए अपने स्तर पर कई प्रयास किए हैं। संचार साथी से लेकर वित्तीय धोखाधड़ी जोखिम सूचकांक और सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर जैसी विभाग की विभिन्न पहलों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इन कदमों से न केवल धोखाधड़ी की घटनाओं पर अंकुश लगाने में मदद मिल रही है बल्कि आम लोगों को भी साइबर ठगी से बचाया जा रहा है।

सरकार की प्राथमिकताओं का उल्लेख करते हुए दूरसंचार सचिव ने बताया कि केंद्र सरकार का लक्ष्य देश के हर व्यक्ति तक सहज,सुरक्षित संचार सुविधाएं उपलब्ध कराना है। सम्मेलन में दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, जम्मू एवं कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तर प्रदेश के दूरसंचार अधिकारियों के साथ कई केंद्र शासित प्रदेशों और राज्य सरकार की कानून प्रवर्तन एजेंसियों के सौ से अधिक प्रतिनिधि शामिल हुए। इसके अलावा, रिजर्व बैंक, स्टेट बैंक जैसे प्रमुख वित्तीय संस्थानों के अधिकारी तथा एयरटेल, जियो, वोडाफोन एवं बीएसएनएल जैसे दूरसंचार सेवा प्रदाताओं के वरिष्ठ अधिकारी भी सम्मेलन में मौजूद थे। सम्मेलन में प्रमुख रूप से अवैध दूरसंचार नेटवर्क के संचालन की रोकथाम, वित्तीय धोखाधड़ी,साइबर ठगी,मोबाइल फोन चोरी की घटनाओं को रोकने और डिजिटल अरेस्ट सहित डाटा एवं संचार सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा हुई।

टी20 सीरीज में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को रौंदा

स्पोर्ट्स डेस्क. भारत ने कैनबरा के कैरारा ओवल में खेले गए चौथे टी20 मैच में ऑस्ट्रेलिया को 48 रनों से हराकर पाँच मैचों की सीरीज़ में 2-1 की बढ़त बना ली। बल्लेबाज़ों के लिए चुनौतीपूर्ण रही इस रात में सूर्यकुमार यादव की टीम को गेंदबाज़ों ने मज़बूती से संभाला जिसमें वाशिंगटन सुंदर ने तीन अहम विकेट लेकर मेहमान टीम को आसान जीत दिलाई। इससे पहले भारत का बल्लेबाजी क्रम गुरुवार को कैरारा में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 167/8 का स्कोर बनाने के बाद लय हासिल करने के लिए संघर्ष करता दिखा। ऑलराउंडर अक्षर पटेल के अंत में किए शानदार प्रदर्शन ने मध्यक्रम के पतन के बाद भारत को प्रतिस्पर्धी स्कोर तक पहुँचने में मदद की। भारत ने अंतिम छह ओवरों में 46 रन बनाए और इस दौरान छह विकेट गंवाए। टॉस जीतकर ऑस्ट्रेलिया ने पहले गेंदबाजी का फैसला किया। भारत की शुरुआत उतनी तेज नहीं रही जितनी कि वे करते आए हैं क्योंकि शुभमन गिल और अभिषेक शर्मा की सलामी जोड़ी ने अपने पहले छह ओवरों में 49 रन बनाए। शर्मा ने एडम ज़म्पा की गेंद पर आउट होने से पहले 21 गेंदों में तीन चौकों और एक छक्के की मदद से 28 रन बनाए। तीसरे नंबर पर प्रमोट किए गए शिवम दुबे ने 18 गेंदों में एक

फोटो-बीसीसीआई

चौके और एक छक्के की मदद से 22 रन का योगदान दिया, लेकिन नाथन एलिस की गेंद पर बोल्ड हो गए।

कप्तान सूर्यकुमार यादव 10 गेंदों पर 20 रन बनाकर खतरनाक दिख रहे थे, लेकिन सस्ते में आउट हो गए, जबकि तिलक वर्मा (5) और जितेश शर्मा (3) भी प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे। वाशिंगटन सुंदर ने 7 गेंदों पर 12 रन जोड़े और फिर एलिस का तीसरा शिकार बने। अक्षर पटेल ने अंत में ज़रूरी पारी खेली और 11 गेंदों पर एक चौके और एक छक्के की मदद से नाबाद 21 रन बनाकर भारत का स्कोर 167/8 तक पहुँचाया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से नाथन एलिस ने 21 रन देकर 3 विकेट चटकाए, जबकि एडम ज़म्पा ने भी 45 रन देकर 3 विकेट चटकाकर प्रभावित किया। जेवियर बार्टलेट और मार्कस स्टोइनिस ने एक-एक विकेट लिया।

168 रनों के लक्ष्य का पीछा कर रही ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी रही और मिशेल मार्श और मैथ्यू शॉर्ट ने पहले विकेट के लिए 37 रन जोड़े। हालाँकि, शॉर्ट के आउट होते ही पारी बिखर गई। अक्षर पटेल ने लगातार दो विकेट झटके, जिससे मेजबान टीम लड़खड़ा गई। मार्श ने ऑस्ट्रेलिया को मुकाबले में बनाए रखने के लिए कड़ी मेहनत की, लेकिन शिवम दुबे ने उन्हें और बाद में टिम डेविड को आउट कर दिया, जिससे लक्ष्य और भी मुश्किल हो गया। इसके बाद वाशिंगटन सुंदर ने मोर्चा संभाला और तीन विकेट लेकर ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजी क्रम को संभलने का मौका नहीं दिया। अंततः मेजबान टीम हार गई और भारत ने 48 रनों से शानदार जीत दर्ज की।

हालाँकि इस नतीजे से भारत को सीरीज़ में 2-1 की बढ़त और अच्छी लय मिल गई है, फिर भी टीम कुछ चिंताओं को दूर करने की कोशिश करेगी। सबसे ख़ास है गिल का बीच के ओवरों में रन बनाने का औसत, जो भारत के आक्रामक टी20 रवैये को जारी रखने के लिए अहम साबित हो सकता है।

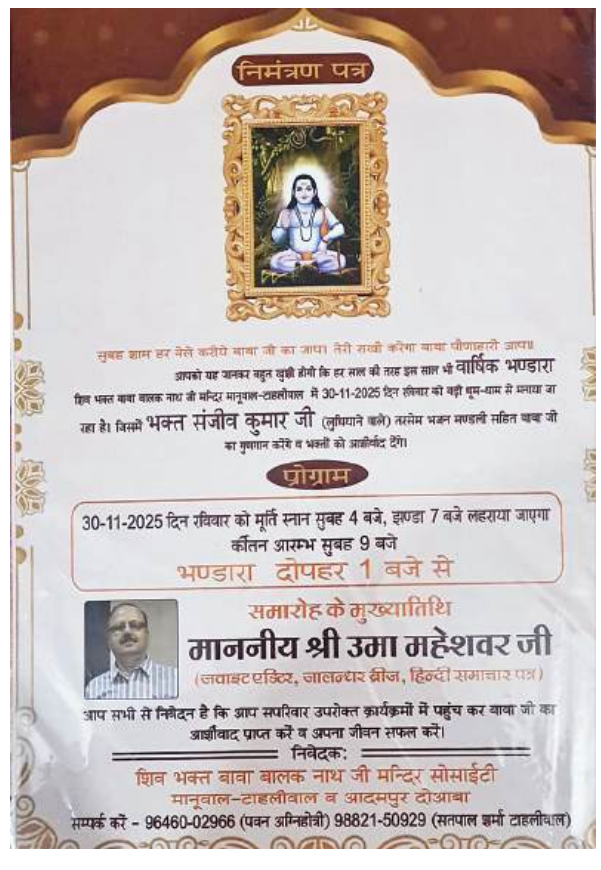

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at DB Corp Ltd, Near Subhanpur Bus Stand,Hamira, Kapurthala-144802(Punjab) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.